

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 8TH



aglasem.com

Class : 8

Subject : सामाजिक विज्ञान

Chapter : 4

Chapter Name : आदिवासी,दि कु और एक स् वर्ण युग की कल्पना

Q1 रिक्त स्थान भरें :

(क) अंग्रेजों ने आदिवासियों को _____ के रूप में वर्णित किया।

(ख) झूम खेती में बीज बोने के तरीके को _____ कहा जाता है।

(ग) मध्य भारत में ब्रिटिश भूमि बंदोबस्त के अंतर्गत आदिवासी मुखियाओं को _____ मिल गया था।

(घ) असम के _____ और बिहार की _____ में काम करने के लिए आदिवासी जाने लगे।

Answer.

- (क) असभ्य
- (ख) बिखराव
- (ग) भूमि स्वामित्व
- (घ) चाय बागानों , खदानों

Page : 49 , Block Name : फिर से याद करें

Q2 सही या गलत बताएं:

(क) झूम काश्तकार ज़मीन की जुताई करते है और बीज रोपते हैं।

(ख) व्यापारी संधालों से कृमिकोष खरीदकर उसे पांच गुना ज्यादा कीमत पर बेचते थे।

(ग) बिरसा ने अपने अनुयायियों को आह्वान किया की वे अपना शुद्धिकरण करें, शराब पीना छोड़ दें और डायन व जादू-टोने जैसी प्रथाओं से दूर रहें।

(घ) अंग्रेज़ आदिवासियों की जीवन पद्धति को बचाए रखना चाहते थे।

Answer.

- (क) गलत
- (ख) सही
- (ग) सही
- (घ) गलत

Page : 50 , Block Name : फिर से याद करें

Q3 ब्रिटिश शासन में घुमंतू काश्तकारों के सामने कौन सी समस्याएँ थीं?

Answer.घुमंतू काश्तकारों को ब्रिटिश शासन में काफी समस्याएँ झेलनी पड़ रही थीं-

→ अंग्रेजों को घुमंतू काश्तकारों के भटकने के रवैये से काफी परेशानी हो रही थी। वे चाहते थे की आदिवासी समूह एक जगह स्थाई रूप से रहे और खेती करें ताकि उनका नियंत्रण सीधा उन पर बना रहे और उनसे अपनी आमदनी के स्रोतों को बढ़ाया जा सके लेकिन घुमंतू काश्तकार जो इस प्रस्ताव को अपनी आज़ादी से समझौता बताते थे उनका मानना था की वो आज तक जैसे जी रहे हैं आगे भी वैसे ही रहेंगे।

- घुमंतू काश्तकार खेती के लिए आधुनिक पद्धति का इस्तेमाल नहीं करते थे ऐसे में जब अंग्रेजों ने उन्हें स्थाई रूप से बसाने की कोशिश की तो कहीं मिट्टी सूखी थी तो कहीं पानी कम था ऐसे में हलो को चलाना आसान नहीं होता बल्कि उन काश्तकारों को इस आधुनिक पद्धति से नुकसान ही हुआ।
- काश्तकारों को अब जंगलों में जाने की इजाज़त में कमी कर दी गयी जिससे अब उन्हें अपने लिए शिकार की व्यवस्था करने में, फलों को संग्रहित करने में परेशानी आने लगी।

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

Q4 औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं की ताकत में क्या बदलाव आये?

Answer. औपनिवेशिक शासन के तहत आदिवासी मुखियाओं की ताकत में निम्न बदलाव आये-

- अंग्रेजों के आने से पहले बहुत सारे इलाकों में आदिवासी मुखियाओं का महत्वपूर्ण स्थान होता था । कई जगह उनकी अपनी पुलिस होती थी और वे ज़मीन एवं वन प्रबंधन के स्थानीय नियम खुद बनाते थे। लेकिन ब्रिटिश शासन के भीतर आदिवासी मुखियाओं के कामकाज और अधिकार को बदल दिया गया। हालांकि मुखियाओं को कई गाँवों में ज़मीन का मालिकाना हक़ तो मिला पर उनकी शासकीय शक्तियों को छीन लिया गया।
- आदिवासी मुखियाओं को ब्रिटिश अधिकारियों द्वारा बनाए गए नियमों को मानने के लिए बाध्य किया गया और उन्हें अंग्रेज़ी सरकार को नज़राना देना पड़ता था और अपने समूह को अनुशासन में रखना होता था। उन्हें उनके अपने परंपरागत कामों से लाचार कर दिया गया।

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

Q5 दिकुओं से आदिवासियों के गुस्से के क्या कारण थे?

Answer. दिकुओं से आदिवासियों के गुस्से के निम्न कारण थे -

- आदिवासी समुदाय के लोग अपनी जरूरत की सारी चीज़ें वन से ही इकट्ठी कर लेते थे और उनके पास कोई रोज़गार नहीं होते थे तो जो चीज़ें उन्हें वन से नहीं मिलती थी उन्हें वे बाज़ार से खरीदते थे जिसके लिए वे महाजनों से कर्ज़ लेते थे लेकिन उसका ब्याज अधिक होता था जिससे आदिवासी गरीबी की ओर ढकेले जा रहे थे।
- अंग्रेजों ने जब आदिवासियों को वनों के भीतर जाने पर पाबंदी लगा दी उससे भी आदिवासियों को बाहरी लोगों की वजह से अपने ऊपर दवाब बनता दिखा जिसने आगे रौद्र रूप ले लिया।
- आदिवासियों के द्वारा निर्मित वन्य उत्पादों के मुनाफ़े को बिचौलिए अपनी झोली में भर लेते थे जिससे आदिवासियों के भीतर उन बिचौलियों के प्रति रोष भवन उत्पन्न हुई।
- आदिवासियों को चाय बागानों और कोयला खदानों में मजदूरी करने के लिए भर्ती किया जा था जो की ठेकेदार के अंतर्गत आता था । उन्हें बहुत कम वेतन दिया जाता था और उनको बंधुआ बना लिया जाता था।

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

Q6 बिरसा की कल्पना में स्वर्ग युग किस तरह का था? आपकी राय में यह कल्पना लोगों को आकर्षित क्यों लग रही थी?

Answer.

- बिरसा के स्वर्ग युग में मुंडा लोग अच्छा जीवन जीते थे, तट बंध बनाते थे, कुदरती झरनो को नियंत्रित करते थे, पेड़ और बाग़ लगाते थे और पेट पालने के लिए खेती किया करते थे।

→ . बिरसा के स्वर्ग युग के अनुसार मुंडा लोग अपने बिरादरी और रिश्तेदारों का खून नहीं बहाते थे। वे अपनी जिंदगी एक जगह टिक कर ईमानदारी से जीते थे। यह कल्पना लोगों को इसलिए आकर्षित कर रही थी क्योंकि अंग्रेज़ भूमि व्यवस्थाएं उनकी परंपरागत भूमि व्यवस्था को नष्ट कर रही थी महाजन उनकी ज़मीनें छीनते जा रहे थे और मिशनरी उनकी परंपरागत संस्कृति की आलोचना कर रहे थे।

Page : 50 , Block Name : आइए विचार करें

aglasem.com